संस्कृत एवं प्राकृत भाषा–विभाग ,दी0 द0 उ0 गो0 वि0 वि0, गोरखपुर
एम0 ए0 संस्कृत – पाठ्यक्रम

एम0 ए0 प्रथमवर्ष–

एम0 ए0 संस्कृत प्रथम वर्ष में पाँच प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र– वेद एवम् उपनिषद्

1. वैदिक सूक्त

(क) ऋग्वेद – वरूण (1.25), इन्द्र (1.32), सूर्य (1.115) अश्विनौ (1.116), अग्नि (1.143), उषस् (3.61), सविता (4.54), पर्जन्य (5.83), सरमा–पणि–संवाद (10.108), नासदीय सूक्त (10.129)

(ख) अथर्ववेद – राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29) तथा काल (10.53)

(ग) शुक्लयजुर्वेद – अध्याय 32. 1–5

2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका– सम्पूर्ण।

3. तैत्तिरीयोपनिषद्– शीक्षावल्ली।

4. वैदिक व्याकरण – वैदिक शब्दरूपों की विशेषताएँ, तुमर्थक प्रत्यय, लेट् एवं लुङ् लकारों के भेद।

सहायक ग्रन्थ –

पीटर पीटर्सन	– हिम्स फ्राम दि ऋग्वेद, फर्स्ट सीरीज।
हरि दामोदर वेलणकर	– ऋक्सूक्तवैजयन्ती (वै. स. मं. सुना)
तैलंग एवं चौबे	– न्यू वैदिक सेलेक्शन, वाराणसी।
विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी	– वेदचयनम्।
ए.ए. मैक्डोनेल	– हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिट्रेचर (हिन्दीअनु0) अध्याय 1–9 वैदिक युग।
एम. विण्टरनित्ज	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिट्रेचर, भाग 1, खण्ड 1
ए0 ए0 मैक्डोनेल	– वैदिक माइथोलोजी।
डॉ0 सूर्यकान्त	– वैदिक देवशास्त्र।
ए. बी. कीथ	– रिलीजन एण्ड फिलासफी ऑफ दि वेद एण्ड उपनिषदस्।
डॉ0 सूर्यकान्त	– वैदिक धर्म एवं दर्शन (हिन्दी अनुवाद)।
पाण्डुरंग दामोदर गुणे	– तुलनात्मक भाषाविज्ञान (अनु0 पृ0 125–153)
डॉ0 सुधा रस्तोगी	– ऋग्वेद में इन्द्र।
टी. बरो	– संस्कृत भाषा (हिन्दी अनुवाद)।
ए. ए. मैक्डोनेल	– बृहद्देवता।

द्वितीय प्रश्नपत्र– भाषाशास्त्र एवं मध्य भारतीय आर्य भाषाएँ

1 भाषाशास्त्र– संघटनात्मक भाषाशास्त्र– भाषा की परिभाषा, भाषा, विभाषा, बोली आदि में अन्तर। भाषिक परिवर्तन, उसके कारण तथा दिशायें।

भाषाओं का वर्गीकरण–भारोपीय परिवार। भारतीय आर्यभाषाओं का विकास।

भाषा के घटक– स्वनिम (फोनिम), रूपिम (मारफीम), पदिम (टैक्सीम), अर्थिम (सेमेण्टिम), मानस्वर(कार्डिनल वावेल), वाग्यंत्र, संस्कृत भाषा की रूप प्रक्रियात्मक संरचना । ध्वनि नियम। अर्थपरिवर्तन– कारण एवं दिशायें।

2.मध्य भारतीय आर्यभाषाएँ–

पालि– धम्मपदसंगहो, बाबेरुजातकम्, पटिच्चसमुप्पादो, मायादेवियासुपिनं, चत्तारि अरियसच्चानि तथा तथागतस्स पच्छिमा वाचा ।

प्राकृत– कर्पूरमंजरी, स्वप्नवासवदत्तम्, वसुदत्तकथा, अशोक–अभिलेख तथा गिरनार अभिलेख

अपभ्रंश– दोहाकोश, सन्देशरासक, अपभ्रंशमुक्तकसंग्रह। उपरिलिखित सभी पाठ 'पालि–प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह' (डॉ0 राम अवध पाण्डेय एवं डॉ. रविनाथ मिश्र सम्पादित) से है ।

सहायक ग्रन्थ–

ब्लॉख एवं ट्रेगर	– ऐन आउटलाइन ऑफ लिंग्विस्टिक एनालिसिस।
एम. ब्लूमफील्ड	– लैंग्वेज।
पी. पी. गुणे	– इण्ट्रोडक्शन टू कम्पेरेटिव फिलोलोजी (पृ0 1–222)
एच0 ए. ग्लीसन	–ऐन इण्ट्रोडक्शन टू डिस्क्रिप्टिव लिंग्विस्टिक्स।
तारापुरवाला	– एलिमेण्ट्स आफ दि साइन्स आफ लैंग्वेज।
डॉ0 बाबूराम सक्सेना	– सामान्य भाषाविज्ञान।
डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी	– भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र।
आर. पिशेल	– कम्पेरेटिव ग्रामर ऑफ दि प्राकृत लैंग्वेजेज।
डॉ0 हेमचन्द्र जोशी	– प्राकृत भाषाओं का व्याकरण (हिन्दी अनुवाद)
डब्ल्यू गाइगर	– पालि लैंग्वेज एण्ड लिटरेचर।
सुकुमार सेन	– ए कम्पेरेटिव ग्रामर ऑफ मिडिल इण्डो आर्यन।
वी. टगारे	– ए हिस्टारिकल ग्रामर ऑफ अपभ्रंश।
एम. एम. कत्रे	– सम प्राब्लम्स ऑफ हिस्टारिकल लिग्विस्टिक्स इन इण्डो आर्यन्।
आर. जी. भण्डारकर	– विल्सन फिलोलोजिकल लेक्चर्स (1887)
ए. सी. वूल्नर	– ऐन इण्ट्रोडक्शन टू प्राकृत (हिन्दी अनुवाद)।

डॉ0 रामअवध पाण्डेय एवं डॉ. रविनाथ मिश्र – पालि व्याकरण।

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय दर्शन

1. केशवमिश्र– तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त)
2. ईश्वरकृष्ण– सांख्यकारिका।
3. सदानन्द– वेदान्तसार।

सहायक ग्रन्थ–

श्री कृष्ण वल्लभाचार्य	– सांख्यकारिका।
डॉ0 रमाशंकर भट्टाचार्य	– तत्त्वकौमुदीसहित सांख्यकारिका।
डॉ0 सन्तनारायण श्रीवास्तव	– वेदान्तसार (लोकभारती, इलाहाबाद)
एम. हिरियन्ना	– एशेन्सियल्स ऑफ इण्डियन फिलासोफी।
दत्त और चटर्जी	– भारतीय दर्शन।
आचार्य विश्वेश्वर	– तर्कभाषा।
बदरीनाथ शुक्ल	– तर्कभाषा।
डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र	– सांख्यतत्त्वकौमुदी–प्रभा।
पुलिन बिहारी चक्रवर्ती	– ओरिजिन ऐण्ड डेवलेपमेण्ट ऑफ दि सांख्य सिस्टम ऑफ थॉट।
बलदेव उपाध्याय	– भारतीय दर्शन
डॉ0 उमेश मिश्र	– भारतीय दर्शन
वेदान्तसार	– विद्वन्मनोरंजनी के साथ, सं0 डॉ0 कृष्णकान्त त्रिपाठी।

चतुर्थ प्रश्नपत्र – काव्य एवं काव्यशास्त्र

1. मम्मट – काव्यप्रकाश, उल्लास 1, 2, 9 तथा 10
2. श्रीहर्ष –नैषधीयचरितम्– प्रथम सर्ग

सहायक ग्रन्थ–

वामन झलकीकर	– काव्यप्रकाश।
डॉ0 सत्यव्रत सिंह (सं0)	– काव्यप्रकाश।
आचार्य विश्वेश्वर (सं0)	– काव्यप्रकाश।
गजेन्द्रगडकर	– काव्यप्रकाश।

पंचम प्रश्नपत्र– व्याकरण एवम् अनुवाद

1. **लघुसिद्धान्तकौमुदी –**

(क) तिङन्त –भ्वादिगण की भू तथा एध् धातु तथा शेष गणों की प्रथम–प्रथम धातुओं की रूपसिद्धि।
(ख) णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुक्, नामधातु– पुत्रीयति, कृष्णति, शब्दायते, आत्मनेपद, परस्मैपद, भावकर्म–भूयते, कर्मकर्तृ, लकारार्थ।
(ग) कृदन्त
(घ) तद्धित– अपत्यार्थ, रक्ताद्यर्थ, चातुरर्थिक, शैषिक, भावकर्माद्यर्थ, भवनादि, मत्वर्थीय, प्राग्दिशीय, प्रागिवीय।

2. **हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद।**

एम0 ए0 (द्वितीय) अंतिम वर्ष

एम0 ए0 संस्कृत उत्तरार्द्ध में चार प्रश्नपत्र लिखित होंगे जो प्रत्येक 100 अंकों के होंगे तथा पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 100 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी। इस प्रकार उत्तरार्द्ध परीक्षा का पूर्णांक 500 होगा। उत्तरार्द्ध में परीक्षार्थियों के लिए चार वर्गो का विकल्प है। प्रथम प्रश्नपत्र तथा पंचम प्रश्नपत्र (मौखिक परीक्षा) सभी वर्गों के लिए अनिवार्य एवं एक समान होंगे, किन्तु द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्नपत्र विभिन्न वैकल्पिक वर्गों के पृथक्–पृथक् होंगे।

प्रत्येक वर्ग के चतुर्थ प्रश्नपत्र के स्थान पर लघु शोधप्रबन्ध प्रस्तुत किया जा सकता है, किन्तु आवश्यक होगा कि लघु शोधप्रबन्ध का विषय सम्बद्ध वर्ग के उस प्रश्नपत्र से सम्बन्धित हो। यह प्रबन्ध केवल वे छात्र ही प्रस्तुत कर सकते हैं जिन्होंने एम. ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं।

प्रथम प्रश्नपत्र – व्याकरण एवं निबन्ध

1. पतंजलि– महाभाष्य, पस्पशाह्निक।
2. भट्टोजि दीक्षित– सिद्धान्तकौमुदी, कारकप्रकरणम्।
3. स्ववर्गीय निबन्ध
4. हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद

सहायक ग्रन्थ–

श्री राजकिशोर मणि त्रिपाठी (टीकाकार) – सिद्धान्तकौमुदी–कारकप्रकरण संस्कृत सेवा संस्थान, गोरखपुर।
श्री राजकिशोर मणि त्रिपाठी – महाभाष्यम् (प्रथमाह्निक)
डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी – निबन्धशतकम् (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)।

पंचम प्रश्नपत्र – मौखिक परीक्षा 100 अंक

वैकल्पिक वर्ग अ– वेद

द्वितीय प्रश्नपत्र – संहिता

1. ऋग्वेदसंहिता – 1.89 विश्वेदेवाः, 2.23 ब्रह्मणस्पति, 3.33 विश्वामित्र–नदी–संवाद, 5.82 सवितृसूक्त, 6.27 इन्द्रसूक्त, 7.2 आप्रीसूक्त, 7.4 अग्नि, 7.83 इन्द्रावरूणसूक्त, 8.48 सोमसूक्त, 10.71 ज्ञानसूक्त
2. शुक्लयजुर्वेद – माध्यन्दिनसंहिता, अध्याय 1–2
3. अथर्ववेदसंहिता – 2.4 दीर्घायुः प्राप्तिसूक्त, 3.12 शालानिर्माण, 3.17 कृषिसूक्त, 8.56 वनस्पति।

सहायक ग्रन्थ–

ऋग्वेदसंहिता – वैदिक संशोधन मण्डल, पूना।
हरिदामोदर वेलणकर – ऋग्वेद, सातवाँ मण्डल (भारतीय विद्याभवन, बम्बई)
ए0ए0 मैक्डोनेल – वैदिक ग्रामर फॉर स्टूडेण्ट्स।
ए0ए0 मैक्डोनेल – वैदिक माइथोलोजी।
डॉ0 सूर्यकान्त – वैदिक देवशास्त्र (हिन्दी अनु0)
ए0 बी0 कीथ – दी रिलिजन एण्ड फिलॉसफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद्स।
डा0 सूर्यकान्त – वैदिक धर्म एवं दर्शन (हिन्दी अनु0)
आनन्द कुमारस्वामी – ए0 न्यू एप्रोच टू द वेदाज (लूजाक एण्ड कम्पनी, लन्दन)
जे. खोदां – इपीथेट्स इन दि ऋग्वेद (मूतों एण्ड कम्पनी,हेग,नीदरलैण्ड)विजनऑफवेदिक पोएट्स।
एम0 विण्टरनित्स' – हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिटरेचर, भाग 1, खण्ड 1
डॉ0 श्रीमती सुधा रस्तोगी– ऋग्वेद में इन्द्र।

तृतीय प्रश्नपत्र— ब्राह्मण एवं मीमांसा

1. ऐतरेयब्राह्मण — प्रथम पंचिका, 1 से 3 अध्याय
2. शतपथब्राह्मण — प्रथम काण्ड, 1 से 3 अध्याय
3. अर्थसंग्रह — लौगाक्षिभास्कर
4. वैदिक यज्ञ एवं पारिभाषिक शब्द — सामान्य परिचय

सहायक ग्रन्थ—

कात्यायन — कात्यायनश्रौतसूत्रम्।
नित्यानन्द पन्त — कातीयेष्टिदीपक।
मधुसूदन ओझा — यज्ञसरस्वती
चिन्नस्वामी शास्त्री — यज्ञतत्त्वप्रकाश
पाण्डुरंग वामन काणे — हिस्ट्री ऑफ धर्मशास्त्र, भाग2, खण्ड2, अध्याय 29 एवं 30
आर. एन. दाण्डेकर (सं0) — श्रौतकोश, भाग 1, खण्ड 1, अध्याय 4 नृ0 211—479
डॉ0 सूर्यकान्त — वैदिक कोश (यज्ञ शब्द)
डॉ0 के. पी. सिंह — ए—क्रिटिकल स्टडी ऑफ दि कात्यायनश्रौतसूत्र (बनारस हिन्दू वि0वि0 प्रकाशन)
गजेन्द्रगडकर (सं0) — अर्थसंग्रह।
शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन संहिता — डॉ0 हरिशंकर त्रिपाठी, वेदपीठ प्रकाशन, इलाहाबाद।

टिप्पणी— वैदिक धर्म और माइथोलोजी से सम्बद्ध प्रश्न द्वितीय और तृतीय प्रश्नपत्र में रहेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र— वेदाङ्.ग

1. शौनक — ऋक्प्रातिशाख्य, पटल 1—2 तथा 3
2. यास्क — निरुक्त, अध्याय 1, 2 तथा 7
3. पारस्करगृह्यसूत्र, — काण्ड 1, कण्डिका 1—12
4. शौनक — बृहद्देवता, अध्याय 1
5. वैदिक छन्दों का सामान्य परिचय मूल सात छन्द —गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, त्रिष्टुप्, जगती, बृहती, पंक्ति।
6. सिद्धान्तकौमुदी — स्वरवैदिक प्रकरण से निम्नलिखित सूत्र— धातोः (6.1.162), अनुदात्ते च (6.1 190), लिति (6.1 193) कर्षात्वतो धञोऽन्त उदात्तः (6.1 159), समासस्य (6.1.223), बहुव्रीहौ प्रकृत्या पूर्वपदम् (6.2.1), दायाद्यं दायादे (6.2.5), तिङ्ङतिङः (8.1.28), न लुट् (8.1.29), गतिर्गतौ (8.1.70), तिडि. चोदात्तवति (8.1.71)।

सहायक ग्रन्थ —

पाण्डुरंग दामोदर गुणे — तुलनात्मक भाषाविज्ञान (हिन्दी अनुवाद) पृ0 125—153
सिद्धेश्वर वर्मा — इटिमॉलॉजिज ऑफ यास्क।
वीरेन्द्र कुमार वर्मा — ऋक्प्रातिशाख्य (काशी हिन्दू वि.वि.)
विष्णुपद भट्टाचार्य — यास्काज निरुक्त (कलकत्ता)
शिवनारायण शास्त्री — निरुक्तमीमांसा (वाराणसी)
शिवनारायण शास्त्री — वैदिक निर्वचन (वाराणसी)

वैकल्पिक वर्ग 'ब' — व्याकरण

द्वितीय प्रश्नपत्र— प्रक्रिया

वरदराजाचार्य—मध्यसिद्धान्तकौमुदी

तृतीय प्रश्न पत्र— व्याकरण दर्शन एवं इतिहास

1. भर्तृहरि — वाक्यपदीयम्, प्रथम काण्ड
2. नागोजिभट्ट — परमलघुमंजूषा— (तात्पर्यनिरूपणान्त)
3. व्याकरण का इतिहास — (केवल पाणिनीय व्याकरण)

सहायक ग्रन्थ —

प्रो0 के0 सुब्रह्मण्यम अय्यर — स्टडीज इन वाक्यपदीय।
प्रो0 के0 सुब्रह्मण्यम अय्यर — इंग्लिश ट्रांसलेशन ऑफ द वाक्यपदीय।
वाक्यपदीय, प्रथम काण्ड, अम्बाकर्त्री टीका सहित, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी।
व्याकरण शास्त्र का इतिहास — युधिष्ठिर मीमांसक ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र – परिभाषा एवं महाभाष्य

1. नागोजिभट्ट – परिभाषेन्दुशेखर, प्रथम तन्त्र (परिभाषा 1 से 10)
2. पतंजलि – महाभाष्य (द्वितीय आह्निक)
3. वैयाकरणभूषणसार – लकारार्थप्रकरण।

सहायक ग्रन्थ –

के. बी. अभ्यंकर (सं0) – परिभाषेन्दुशेखर।
युधिष्ठिर मीमांसक – व्याकरण शास्त्र का इतिहास।
वेल्वल्कर – सिस्टम्स ऑफ संस्कृत ग्रामर।
राजकिशोर मणि त्रिपाठी – महाभाष्यम् (प्रथमाह्निक)।

वैकल्पिक वर्ग 'स'–दर्शन

द्वितीय प्रश्नपत्र– न्याय वैशेषिक दर्शन

1. गौतम – न्यायसूत्र, वात्स्यायनभाष्यसहित, प्रथम अध्याय।
2. प्रशस्तपादभाष्य (पदार्थधर्म–संग्रह) – द्रव्यखण्ड.।
3. विश्वनाथ–सिद्धान्तमुक्तावली – शब्द खण्ड।

सहायक ग्रन्थ

एस. एन. भादुड़ी – स्टडीज इन न्यायवैशेषिक मेटाफिजिक्स।
ए. सी. चटर्जी – न्याय थिअरी ऑफ नॉलेज।
डॉ0 उमेश मिश्र – कन्सेप्शन ऑफ मैटर एकार्डिंग टू न्यायवैशेषिक।
फाडेगन – वैशेषिक फिलॉसोफी।
ए. बी. कीथ – इण्डियन लॉजिक एण्ड एटामिज्म।
आनन्द झा – पदार्थशास्त्र – हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश।
दयाशंकर शास्त्री – न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड)
करुणेश शुक्ल (सं0) – कणादसूत्रनिबन्ध।
रंगनाथ पाठक – षड्दर्शनरहस्य।

तृतीय प्रश्नपत्र – योग, आगम एवं बौद्ध दर्शन

1. पतंजलि – योगसूत्र – समाधि, साधनपाद (व्यासभाष्यसहित)
2. गौडपाद – माण्डूक्यकारिका – प्रथम और चतुर्थ प्रकरण।
3. नागार्जुन – मूलमाध्यमिक कारिका – प्रकरण 13, 18, 24, 25
4. क्षेमराज – प्रत्यभिज्ञाहृदयम्।

सहायक ग्रन्थ–

वुड्स – योग फिलॉसफी।
दासगुप्त – योग फिलॉसफी।
स्टडीज इन पतंजली।
विधुशेखर भट्टाचार्य – आगमशास्त्र ऑफ गौडपाद। गौडपादीयम् आगमशास्त्रम्।
जयदेव सिंह (सं0) – प्रत्यभिज्ञाहृदयम्।
चटर्जी – कश्मीर शैविज्म।
टी. एम. पी. महादेवन – गौडपाद–1 ए स्टडी इन् दि अर्ली वेदान्त।
टी. आर. वी. मूर्ति – सेण्ट्रल फिलॉसफी आफ बुद्धिज्म।
चटर्जी – हिस्ट्री ऑफ तन्त्र लिटरेचर इन कश्मीर।
सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव – योगदर्शन।
डॉ0 शिवशंकर अवस्थी – प्रत्यभिज्ञाहृदयम्।
सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव – योगभाष्यसिद्धि।
हरिहरानन्द आरण्यक – व्यासभाष्य की बांग्ला व्याख्या का हिन्दी अनुवाद।
डॉ0 करुणेश शुक्ल – आचार्य गौडपाद और प्राचीन वेदान्त, नागार्जुन बौद्ध प्रतिष्ठान, गोरखपुर
कमलाकर मिश्र – द सिंग्निफिकेंस ऑफ तान्त्रिक ट्रेडिशन्स

चतुर्थ प्रश्नपत्र – वेदान्त एवं मीमांसा

1.	बादरायण	– ब्रह्मसूत्रम (चतु:सूत्री) शांकरभाष्य–सहित।
2.	वेदान्तपरिभाषा	– प्रत्यक्ष, विषय और प्रयोजन परिच्छेद मात्र।
3.	नारायण	– मानमेयोदय (मेय खण्ड)

सहयाक ग्रन्थ–

राधाकृष्णन्	– इण्डियन फिलॉसफी, भाग–2
दासगुप्त	– हिस्ट्रीऑफ इण्डियन फिलॉसफी, भाग–5
थेडानी	– सीक्रेट्स ऑफ दि सेक्रेड बुक्स ऑफ दि हिन्दुज।
सक्सेना	– नेचर ऑफ कॉन्शसनेस इन इण्डियन फिलॉसफी।
ए. बी. कीथ	– दि रिलीजन् एण्ड फिलॉसफी ऑफ दि वेद एण्ड उपनिद्स।
ग्रिसवोल्ड	– ब्रह्मन् – ए स्टडी इन दि हिस्ट्री ऑफ फिलॉसफी।
एम. हिरियन्ना	– आउटलाईन ऑफ इण्डियन फिलॉसफी।
पाल ड्यूसन	– सिस्टम ऑफ दि वेदान्त।
माक्स म्यूल्लेर	– सिक्स सिस्टम्स ऑफ इण्डियन फिलॉसफी।
आर. डी. रानाडे	– कन्स्ट्रक्टिव सर्वे ऑफ उपनिषदिक फिलॉसफी।
वी. एम. पी. उपाध्याय	– लाइट ऑन वेदान्त।
देवस्थली – मीमांसा	– लॉज ऑफ इण्टरप्रिटेशन।
डॉ0 करुणेश शुक्ल	– आचार्य गौडपाद और प्राचीन वेदान्त।
सी0 कुन्हन राजा	– मानमेयोदय।
स्वामी योगीन्द्रानन्द	– मानमेयोदय।
डॉ0 सत्यदेव मिश्र	– अद्वैतवेदान्त में आभासवाद।
शिवशंकर अवस्थी	– कला और साहित्य की दार्शनिक भूमिका।

वैकल्पिक वर्ग द – साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र – संस्कृत अलंकारशास्त्र

1.	मम्मट	– काव्यप्रकाश – उल्लास 3 से 8 तक
2.	आनन्दवर्धन	– ध्वन्यालोक – प्रथम एवं चतुर्थ उद्योत
3.	कुन्तक	– वक्रोक्तिजीवित – प्रथम उन्मेष

सहायक ग्रन्थ

एस. के. डे	– हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स।
कान्तिचन्द्र पाण्डेय	– कम्पेरेटिव एस्थेटिक्स, भाग 1
बलदेव उपाध्याय	– संस्कृत आलोचना, भारतीय साहित्यशास्त्र। संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (अलंकारानुशीलन)
पाण्डुरंग वामन काणे	– हिष्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स (अनु0 भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास)
ए. के. डे.	– वक्रोक्तिजीवित।
आचार्य विश्वेश्वर	– वक्रोक्तिजीवित।
डॉ0 रेवाप्रसाद द्विवेदी	– अलंकारसर्वस्व।
डॉ0 सुरेशचन्द्र पाण्डेय	– ध्वनि सम्प्रदाय तथा उसके विरोधी सिद्धान्त।
डॉ0 दशरथ द्विवेदी	– वक्रोक्तिजीवित।
डॉ0 शिवशंकर अवस्थी	– कला और साहित्य की दार्शनिक भूमिका।

तृतीय प्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्यशास्त्र

1. धनंजय – दशरूपक
2. शूद्रक – मृच्छकटिकम्
3. श्रीहर्षदेव – रत्नावली

सहायक ग्रन्थ –

ए. बी. कीथ	–संस्कृत ड्रामा– (अनु0 संस्कृत नाटक)
कुलकर्णी	– ड्रामाज एण्ड ड्रेमेटिक्स।
सी. बी. गुप्त	– संस्कृत थियेटर।
स्अेन कोना	– दि इण्डियन ड्रामा।
डॉ0 दशरथ द्विवेदी	– अभिनवरससिद्धान्त।
मृच्छकटिकम्	– सं0 डॉ0 कृष्णकान्त त्रिपाठी
मृच्छकटिकम्	– शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन – शालिग्राम उपाध्याय (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

चतुर्थ प्रश्नपत्र – काव्य

1. कालिदास – मेघदूतम्, सम्पूर्ण
2. अश्वघोष – बुद्धचरितम्, प्रथम सर्ग
3. बाण – हर्षचरितम्, उच्छ्वास 1 तथा 2
4. बिल्हण – विक्रमांकदेवचरितम्, प्रथम सर्ग

सहायक ग्रन्थ

डे एवं दासगुप्त	– हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर।
ए बी. कीथ	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिटरेचर।
मैक्समूलर	– हिस्ट्री ऑफ एंशिएण्ट संस्कृत लिटरेचर।
ए वेबर	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिटरेचर।
बलदेव उपाध्याय	– संस्कृत साहित्य का इतिहास।